

MAY - 2017

Seat No _____

MAOOC205 (Sem - II)

Sub. : HINDI (युग आधारित हिन्दी गद्य)

Time : 3 Hrs.

Total Marks : 70

- Intrucation : (1) All Questions are Compulsory.
(2) Figures to the right indicate total marks of the Questions.

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के खंड 'क' के जवाब ५००-६०० शब्दों तथा खंड 'ख' के जवाब १०० शब्दों में अपेक्षित हैं।

- प्र-१ (क) हिन्दी के प्रमुख प्रगतिवादी गद्य रचनाओं पर प्रकाश डालिए। १०
अथवा
हिन्दी में प्रगतिवादी कथा साहित्य के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए।
- (ख) नागार्जुन का संक्षेप में परिचय ४
अथवा
अमृत राय का संक्षेप में परिचय।
- प्र-२ (क) रांगेय राघव का जीवन परिचय देकर उनकी औपन्यासिक कृतियों का परिचय दीजिए। १०
अथवा
प्रगतिवादी कथा साहित्य में रांगेय राघव और भैरवप्रसाद गुप्त का योगदान स्पष्ट कीजिए।
- (ख) भैरवप्रसाद गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। ४
अथवा
प्रगतिवाद का स्वरूप।
- प्र-३ (क) 'मुर्दों का टीला' उपन्यास में वणित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। ७
अथवा
'मुर्दों का टीला' ऐतिहासिक उपन्यास है - सिद्ध कीजिए।
- (ख) नीलूफर का चरित्र। ७
अथवा
बिल्लीभितूर का चरित्र
- प्र-४ (क) 'सत्तीमैया का चौरा' उपन्यास के कथानक को सोद्देश्य समझाइए। ७
अथवा
मुन्नी के चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(ख) मशहर का चरित्र

6

अथवा

राघेबाबू का चरित्र

प्र-५ सूचनानुसार कीजिए :

(क) निम्नलिखित विधान सही या गलत है बताइए :

6

- (१) चिन्त के क्षेत्र में जो साम्यवाद है, अनुभूति के क्षेत्र में वही प्रगतिवाद है।
- (२) प्रगतिवाद का अर्थ आगे बढ़ना नहीं है।
- (३) मन्ने और मुन्नी का सम्बन्ध भाई-बहन का है।
- (४) भैरवप्रसाद गुप्त प्रयोगवादी लेखक है।
- (५) मूर्दो का टीला एक आंचलिक उपन्यास है।
- (६) डॉ. रांगेय राघव के जन्म का नाम त्र्यंबक वीर था।
- (७) 'मूर्दो का टीला' का कथानायक मणिबन्ध नहीं है।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6

- (१) रचना भैरवप्रसाद गुप्त की नहीं हैं।
(१) जंगल री रानी (२) कालिन्द (३) घरती (४) गंगा मैया
- (२) 'सत्तीमैया का चौरा' का प्रकाशन वर्ष है।
(१) १९४८ (२) १९५० (३) १९५२ (४) १९५४
- (३) भैरवप्रसाद गुप्त पत्रिका के सम्पादक थे।
(१) माया (२) हंस (३) समकालीन (४) उद्भावना
- (४) 'कब तक पुकारुं' रचना है।
(१) ऐतिहासिक (२) मनोवैज्ञानिक (३) आंचलिक (४) पौराणिक
- (५) 'मूर्दो का टीला' उपन्यास का प्रकाशन वर्ष है।
(१) १९४६ (२) १९४८ (३) १९५० (४) १९५२
- (६) 'बैने और घायल फूल' कृति के रचनाकार है।
(१) रांगेय राघव (२) भैरवप्रसाद गुप्त (३) अमृत राय (४) नागार्जुन
- (७) 'प्रगतिशील लेखक संघ' के प्रथम सभापति थे।
(१) मुंशी प्रेमचंद (२) जयशंकर प्रसाद (३) नरेश मेहता (४) डॉ. नगेन्द्र